भारत@2047

Surat Literary Foundation

Next Edition : 17-18-19 January 2025

भारत@2047
Surat Literary Foundation

STORY

SURAT LITERARY FOUNDATION

सूर्यपुत्री ताप्ती (तापी) तट पर वसा प्राचीन सूर्यपुर नगर, अब गुजरात की आर्थिक राजधानी सूरत के नाम से जगविख्यात व भारत के सबसे प्रतिष्ठित शहरों में से एक है. महाभारत काल में महादानी कर्ण का अग्निसंस्कार सूर्यपुर में तापी तट पर ही हुआ था. इसी के प्रभाव से आज भी सूरत पूरे भारतवर्ष में दान, दया, धर्म के लिए जाना जाता है. यहाँ के लोग दान-धर्म में बढ़चढ़ कर भाग लेते हैं व सौम्य, शालीन जीवन व्यतीत करते हैं. सूरत कपड़ा उद्योग के लिए भारत का मैनचेस्टर व विश्व में हीरों की राजधानी के रूप में भी जाना जाता है, जहां के उद्योगपति दीपावली के उपहार स्वरुप कर्मचारियों को घर व कारें देते हैं. सूरत अपनी सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था, नवीन खाद्य व्यंजन, फ्लाईओवर, सीसीटीवी तथा स्वछता के लिए भी जाना जाता है.

समुद्र तट के समीप बसा सूरत, प्राचीन काल से ही यूरोप अफ्रीका व अन्य पश्चिमी देशों से व्यापार का केंद्र रहा है. सूरत के व्यापारी सुदूर अफ्रीका, यूरोप, मिश्र, पारस, आदि देशों से व्यापार करते थे. ईस्ट इंडिया कंपनी ने भी अपना व्यापर सूरत से ही आरम्भ किया था. अंग्रेजों को चेक लिखने का उपाय सूरत की हूंडी से ही आया जो उस समय एक पत्र पर लिख कर दी जाती थी व धारक की उस देश के अमुक स्थान पर वह धनराशि प्राप्त हो जाती थी.

इतना भव्य इतिहास, व्यापार, दान, धर्म-कर्म की यह भूमि विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी होने के बाद भी साहित्य कला व संस्कृति के बड़े आयोजनों का अभाव सूरत के लोगों को अखरता है. एक शून्य पैदा हो गया है जिसे हम अपने आसपास पाते तो हैं किन्तु सुन, पढ़ या व्यक्त नहीं कर पाते. कवि नर्मद के पश्चात कोई बड़ा साहित्यिक दिग्गज इस भूमि पर नहीं आया, न ही कवि सम्मेलनों व नाटकों के सिवाय साहित्य कला की कुछ विशेष चर्चा होती है.

इसी शून्यता ने "सूरत लिटरेरी फाउंडेशन" के विचार को जन्म दिया. सूरत लिटफेस्ट केवल एक पहल ही नहीं; वरन नए सूरत की अभिव्यक्ति का मंच व माध्यम है. माता सरस्वती की आराधना भी माता लक्ष्मी और माता शक्ति के समान फलदायी है.

भारत@2047
Surat Literary Foundation

EVENT

LITFEST

सूरत लिटरेरी फाउंडेशन की स्थापना सूरत के प्रबुद्ध नागरिकों द्वारा सूरत में जीवन के विभिन्न पहलुओं पर देश विदेश के विद्वानों द्वारा चर्चा व उससे देशव्यापी विमर्श खड़ा करने के उद्देश्य से की गई है।

सूरत में नागरिकों के मध्य सम-सामयिक विषयों पर चेतना को अधिक तीव्र करने में सहायक होने में इस मंच का महत्तम उपयोग हो ऐसा अपेक्षित है।

2047 में भारत औपनिवेशिक गुलामी से मुक्ति के 100 वर्ष पूर्ण कर रहा होगा. अगले इन 25 वर्षों में भारत का विमर्श किस गति व दिशा में होना चाहिए इस विचार पर चर्चा विचार कर देश के नीति निर्धारकों को महत्वपूर्ण संदेश देने के उद्देश्य से भारत 2047 का विचार मंच गठित किया गया है।

भारत सदैव विश्व में सभ्यताओं के विकास का मार्गदर्शक रहा है। हजार वर्षों की गुलामी ने हमसे यह स्थान छीन लिया था। आम जन मानस को जागृत कर पुनः भारत को विश्व का मार्गदर्शक बनाने के पुण्य कार्य में सहयोग करने की आशा से यह मंच निर्मित किया गया है।

भारत@2047
Surat Literary Foundation

GLIMPSES
LITFEST 2023

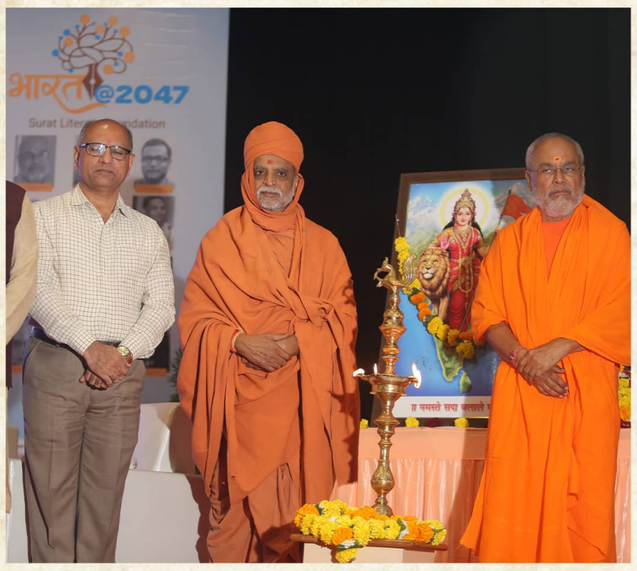

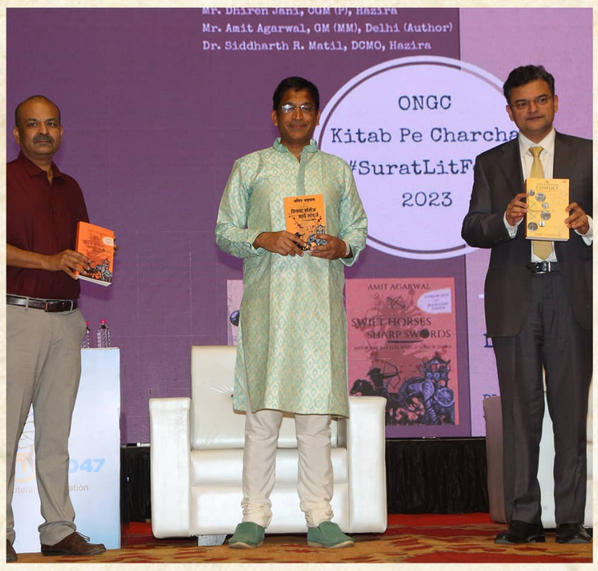

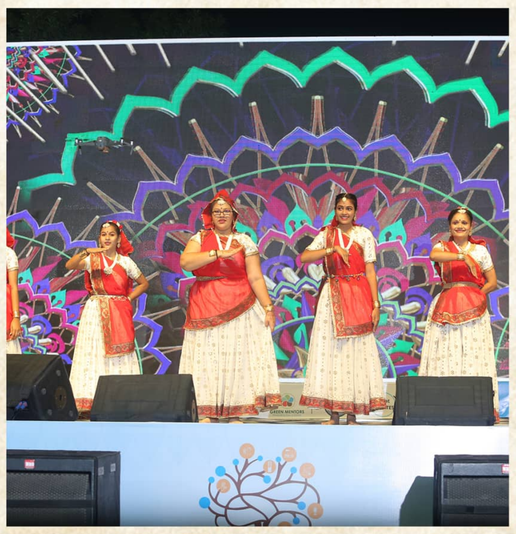

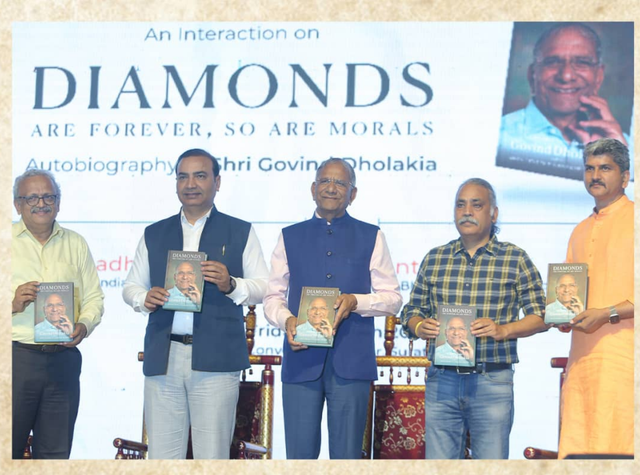

भारत@2047
Surat Literary Foundation

GLIMPSES
LITFEST 2024

भारत@2047
Surat Literary Foundation

GLIMPSES

CULTURAL EVENT

शब्द पर्व

नृत्य पर्व

संगीत पर्व

भारत@2047
Surat Literary Foundation

GLIMPSES OF
AARAMBH 24

भारत@2047

Surat Literary Foundation

Sponsors

BMS PROJECTS PVT. LTD.

GAP ASSOCIATES PVT LTD — Future Belongs to Us

Vaidyaacharya™ — BE VERBAL ABOUT HERBAL

T.M. PATEL INTERNATIONAL SCHOOL — Saraswati Education Trust — Academic Partner Pearson

Gujarat Tourism™ — Khushboo Gujarat Ki

MARUTI Corporation — WE MAKE HISTORY

VNSGU

Luthra GROUP

GREEN MENTORS — Powered by Law of Nature

ओएनजीसी ONGC

contact@srtlitfest.com

www.srtlitfest.com

+91 70165 08217

srtlitfest

Scan for more